To Meet Out the Problems of Doctors

70 Sh. GHANSHYAM DASS (Yamunanagar):

14/16/421

Will the Health Minister be pleased to state:-

a) whether it is fact that the doctors in State are facing the following problems of delaying as result of which their moral is getting down day by day:-

i) the cases of ACP and probation clearances have been lying pending for 2-4 years and many more togetherwith the district wise details thereof alongwith the reasons therefor;

ii) delay in issuance of NOC for Post-Graduation togetherwith the district wise details thereof alongwith the reasons therefor;

iii) the ACR of Medical Officers are not being uploaded on HRMS portal regularly togetherwith the district wise details thereof alongwith the reasons therefor;

iv) delay in the distribution of many other financial benefits like post mortem allowances, LTC, TA-DA etc. togethewith the district-wise details thereof alongwith the reasons therefor; and

b) if so, the time by which the said problems are likely to be met out?

ANIL VIJ, HEALTH MINISTER-

a) No Sir.

i) The cases of ACP and probation clearance are being dealt with on a regular basis as and when they are received from the field offices.

ii) NOCs get issued timely to the doctors applying for post-graduate courses. 257 NOCs were issued to doctors wanting to pursue PG during 2023. Counseling process for admissions to post-graduate courses at PGIMS, Rohtak has been completed without any hassle last week.

iii) The ACRs of Medical Officers are uploaded regularly on the HRMS portal.

iv) The disbursal of financial benefits like post-mortem allowances, LTC, TA-DA etc. is done on time.

b) Does not arise in view of response to part (a).

चिकित्सकों की समस्याओं को दूर करना

70 श्री घनश्याम दास (यमुनानगर) :

14/16/421

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बताएंगे–

(क) क्या यह तथ्य है कि राज्य में चिकित्सकों को निम्नलिखित में देरी की समस्याओं का सामना करना पड रहा है जिसके परिणाम स्वरूप उनका नैतिक स्तर दिन–प्रतिदिन गिरता जा रहा है:–

(i) आश्वासित कैरियर प्रगति (ए.सी.पी.) तथा परीवीक्षा अवधि पूर्ण/ (Probation clearance) के मामले 2–4 वर्षों तथा इससे अधिक वर्षों से लंबित पडे हुए हैं तथा उसका जिलेवार ब्यौरा क्या है तथा उसके कारण क्या हैं;

(ii) पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए अनापत्ति प्रमाण–पत्र (NOC) जारी करने में देरी होती है तथा उसका जिलावार ब्यौरा क्या है तथा उसके कारण क्या हैं;

(iii) चिकित्सा अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (ACR) को HRMS पोर्टल पर नियमित रूप से अपलोड नहीं किया जाता तथा उसका जिलावार ब्यौरा क्या है तथा उसके कारण क्या हैं;

(iv) कई अन्य वित्तीय लाभ जैसेकि पोस्टमार्टम भत्ता, एल.टी.सी., टी.ए–डी.ए इत्यादि के वितरण में देरी रहती है तथा उसका जिला–वार ब्यौरा क्या है तथा उसके कारण क्या हैं; तथा

यदि हां, तो उक्त समस्याओं का समाधान कब तक किए जाने की संभावना हैं?

अनिल विज, स्वास्थ्य मंत्री

क) नहीं श्रीमान जी।

(i) ए.सी.पी. तथा परिवीक्षाधीन अवधि की स्वीकृति के केस अधीनस्थ कार्यालयों से प्राप्त होने पर नियमित आधार पर निपटाये जा रहे हैं।

(ii) स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने वाले डॉक्टरों को समय पर एन.ओ.सी. जारी किये जाते है। 2023 के दौरान पी.जी. करने के इच्छुक डाक्टरों को 257 एन.ओ.सी. जारी किए गए। पी.जी.आई.एम.एस., रोहतक में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया पिछले सप्ताह बिना किसी परेशानी के पूरी हो गई है।

(iii) चिकित्सा अधिकारियों के ए.सी.आर. को एच.आर.एम.एस. पोर्टल पर नियमित रूप से अपलोड किया जाता है।

(iv) पोस्टमार्टम भत्ते, एल.टी.सी., टी.ए., डी.ए. आदि वित्तीय लाभों का वितरण समय पर किया जाता है।

(ख) प्रश्न भाग (क) के उत्तर को ध्यान में रखते हुये प्रश्न नहीं उठता।